

EPCH PRESS RELEASE

EPCH ORGANIZED AWARENESS WEBINAR ON "ROAD TO RECOVERY- CONSUMER MIND SET" FOR MEMBER EXPORTERS ON ZOOM PLATFORM

NEW DELHI – 19th March'2021 - The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) today organized an awareness webinar virtually on "Road to Recovery- Consumer Mind Set". Shri Ravi K Passi, Chairman-EPCH, Mr. Arshad Mir, COA Member-EPCH and leading large number of member exporters' alongwith Ms. Amla of EPCH as a "Key Faculty" of the Webinar were present in the above awareness webinar session, said Dr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH.

Ms. Amla informed the participants that it used to be the customer experience was the only way to differentiate your brand among a sea of sameness. Now the challenge is not just to stand-out, but to pivot, innovate and transform. These three buzzwords are much more easily said than done. This is not the time to quiver in fear and count our losses, but be a leader in helping customers get back on their feet. We are now serving a customer's/buyers that have been financially impacted by COVID-19, who wants to be a touchless and digital customer, and who will be living differently for some time. In modern life, we have been lucky to not have incurred a global catastrophe of this nature in over last decades.

She informed the participants that Speed, agility, and a new understanding of customer values are the keys to navigating the next Neo normal. She briefed the participants that the Coronavirus is changing our future with great societal and economic consequences and has become the catalyst for seismic change across all industries, particularly in the areas of lifestyle and interiors. She informed the participants that our lives will continue to revolve around the home economy for the foreseeable future, and everything we do at home will see a dramatic acceleration, from work to exercise, to entertainment and self-care. The Home Hub is becoming the homebody hub and such change will have a lasting impact on the lifestyle and interiors markets. She informed about latest trends and new multi utility products in all the categories of handicrafts for member exporters' interest.

Elaborating further she informed the participants about Interior Fixture & Fittings Trends: Hardware items come to the fore as consumers' renewed focus on DIY (do it yourself) is leading to home improvements, and the pursuit of more self-reliant lifestyles and how hardware in novel shapes, sophisticated finishes and uplifting colourways are set to become a hit in the coming seasons.

The Handicrafts exports during the year 2019-20 was Rs. 25,270.14 crores and during 1st ten months i.e April-January'2020-21 is Rs. 19793.94 Crores and USD 2656.19 Million informed by Dr. Rakesh Kumar, Director General – EPCH.

For more information, please contact :

Dr. RAKESH KUMAR, DIRECTOR GENERAL – EPCH - +91-9818272171

ईपीसीएच प्रेस वजिजपूति

ईपीसीएच ने जूम प्लेटफार्म पर सदस्य नरियातकों के लिए जागरुकता वेबिनार- 'रोड टु रकिवरी- कंज्यूमर माइंडसेट' का आयोजन किया

नई दल्लि- 19 मार्च 2021- हस्तशलिप नरियात संवरधन परषिद (ईपीसीएच) ने वर्चुअल मोड पर आज एक जागरुकता वेबिनार 'रोड टु रकिवरी- कंज्यूमर माइंड सेट' का आयोजन किया। ईपीसीएच के महानदिशक डॉक्टर राकेश कुमार ने बताया कि इस मौके पर ईपीसीएच के चेयरमैन श्री रवि के पासी, ईपीसीएच की सीओए के सदस्य श्री अरशद मीर और बड़ी संख्या में सदस्य नरियातकों के साथ ही प्रमुख फ़ैकल्टी के तौर पर सुश्री अमला, Head Designer, EPCH ने इस जागरुकता वेबिनार सत्र में शरिक्त की।

सुश्री अमला ने प्रतभिागयिों को बताया कि बाजार में एक तरह के बहुत से सामान होते हैं। या यूं समझें के बाजार एक ही तरह के सामानों के सागर जैसे है इस में अपने ब्रांड को मोती की तरह अलग पहचान देने के लिए पहले ग्राहक अनुभव यानी ग्राहकों की पसंद नापसंद का अनुभव इसका एकमात्र तरीका हुआ करता था है। अब चुनौती केवल अलग दखिने की नहीं , बल्कि बाजार में केंद्र बनने, नए तरीके और इनोवेशन करने के साथ ही व्यापक परिवर्तन की भी है। केंद्रीय भूमिका, नवाचार (इनोवेशन) और ट्रांसफार्म इन तीनों के बारे में बात करना बहुत आसान है पर इनको अमल में लाना उतना आसान नहीं है। उन्होंने अपनी बात को वसितार देते हुए कहा कि महामारी के बाद आज का समय डरने और अपने नुकसान का आंकलन कर बैठ जाने का नहीं, बल्कि एक लीडर की तरह ग्राहकों का वशिवास वापस पाने में मदद करने का है। हम अब एक ऐसे ग्राहक / खरीदारों को सेवा दे रहे हैं जो कोवडि 19 महामारी के आर्थिक नुकसान को झेल चुके हैं, जो अब किसी भी खरीदारी में टच-लेस अनुभव करना चाहते हैं, जो डिजिटल ग्राहक बनने में ज्यादा वशिवास करते हैं और कुछ समय के लिए वो इसी तरह का अलग व्यवहार करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवन में यह हमारे लिए सौभाग्य कि बात है कि इस तरह की वैश्विक तबाही का सामना हमें पछिले दशकों में नहीं करना पड़ा।

उन्होंने प्रतभिागयिों को सूचित किया कि अगले नयिो नारमल का ताला खोलने के लिए गति, चपलता, और ग्राहक मूल्यों की एक नई समझ ही कुंजी है। उन्होंने प्रतभिागयिों को समझाया कि कोरोना वायरस ने हमारी सामाजिक और आर्थिक परस्थितियों के साथ हमारे भवषिय को बदल दिया है। इस बदलाव से सभी उद्योगों और इंडस्ट्री में बदलाव हुआ है और वशिष रूप से जीवनशैली और इंटीरियर सेक्टर तो इससे बुरी तरह से प्रभावति और प्रेरति हुआ है। प्रतभिागयिों को उन्होंने यह भी सूचित किया कि आने वाले भवषिय में हमारा जीवन घर की अर्थव्यवस्था के इर्द गिर्द घूमेगा और हम घर पर जो कुछ भी करते हैं उसमें बड़े और नाटकीय परिवर्तन आएंगे। चाहे वो घर हो, हेल्थ केयर हो, मनोरंजन हो या फरि सेल्फ केयर हो। अब होम हब का वसितार होम बाँडी हब के रुप में हो गया है और इस बदलाव का बड़ा और लंबे समय तक असर लाइफस्टाइल और इंटीरियर मार्केट पर रहने वाला है। उन्होंने सदस्य ग्राहकों की उपयोगति और रुचि के अनुसार हस्तशलिप की करीब करीब हर श्रेणी में नए बहुउद्देशीय और लेटेस्ट ट्रेंड्स की भी जानकारी दी।

उन्होंने प्रतभागियों को इंटरियर फर्निचर और फिटिंग ट्रेंड्स के बारे में भी जानकारी जसमें आज ग्राहकों की रुचि एक बार फिर डीआईवाई-डू इट योरसेल्फ (खुद करके देखो) में बढ़ने की वजह से हार्डवेयर सामग्री पर जोर और बढ़ गया है। ग्राहकों की इस बढ़ी रुचि की वजह से होम इंटरिअर्स, ज्यादा से ज्यादा आत्मनिर्भर जीवनशैली को मदद करने वाले हार्डवेयर, हार्डवेयर के नए से नए आकार, शानदार और बारीक फिनिश और आशा का संचार करने वाले चटक रंग आने वाले समय में हटि होने वाले हैं।

ईपीसीएच के महानदिशक डॉ. राकेश कुमार ने जानकारी दी कि वित्तीय वर्ष 2019-20 में हस्तशिल्प निर्यात का कुल मूल्य 25,270.14 करोड़ रुपये था और इस वित्तीय वर्ष यानी 2020-21 के पहले दस महीनों यानी अप्रैल से जनवरी तक का कुल निर्यात 2656.19 मिलियन अमरीकी डालर यानी 19793.94 करोड़ रुपये हुआ है।

ज्यादा जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

डॉ. राकेश कुमार, महानदिशक, ईपीसीएच - +91-9818272171
